यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार : 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2019–22/105/2020 **दिनांक** : 15.06.2020

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

- ✓ **सामाजिक पहचान तथा कोरोना राहत गतिविधियां**
- ✓ **अब तक 580 कार्यक्रम/राहत गतिविधियां की गईं**

जैसा कि आप सभी को ज्ञात है कि कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण कामगारों तथा गरीब लोगों को विभिन्न परेशानियों तथा समस्याओं का सामना करना पड़ा है। उनकी दुर्दशा को देखते हुए एआईबीईए द्वारा सभी संभव राहत उपाय करने का आह्वान किया गया था। आप सभी को यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता होगी कि एआईबीईए के ध्वज तले विभिन्न यूनियनों एवं सदस्यों द्वारा अब तक ऐसे 580 राहत गतिविधियां की गई हैं। इस विषय में एआईबीईए केन्द्रीय कार्यालय द्वारा परिपत्र संख्या 28/207/2020/45 दिनांक 14.06.2020 जारी किया गया है जिसका अनूदित सार सभी इकाईओं/सदस्यों की सूचना एवं संज्ञान हेतु नीचे प्रस्तुत किया जा रहा है।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रिय साथियों,

- **सामाजिक पहचान एवं कोरोना राहत गतिविधियां**
- **हमारी सभी यूनियनों और सदस्यों को लाल सलाम**
- **अब तक 580 कार्यक्रम किए गए**
- **अब तक कुल लागत रू. 2.70 करोड़ खर्च की गई**

कोरोना महामारी के प्रकोप और मार्च, 2020 के अंत में सरकार के देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद से, यह परिदृश्य हमारे लोगों के सामान्य जीवन में एक बदलाव से गुजरा है।

चूंकि बैंकिंग क्षेत्र को आवश्यक सेवा के रूप में घोषित किया गया है, इसलिए बैंकों को खुला रखा गया है और बैंक कर्मचारी सामान्य परिवहन सेवाओं, आदि के अभाव में विभिन्न समस्याओं का सामना करने के बावजूद कार्यालय में उपस्थित हो रहे हैं। वायरस से प्रभावित होने के जोखिम के तहत, बैंक कर्मचारी इस संकटपूर्ण अवसर पर लोगों को हर संभव सेवा दे रहे हैं।

चाहे सत्ताधारी बैंक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जा रही उत्कृष्ट सेवाओं का आभार प्रकट करें या न करें, बैंकों के शीर्ष प्रबंधन जानते हैं कि कर्मचारी शाखाओं में बैंकिंग सेवाओं को बनाए रखने में असाधारण काम कर रहे हैं।

जारी पृष्ठ 2

इस पृष्ठभूमि में, हमारी यूनियनें और सदस्य उन गरीब लोगों और कामगारों की दुर्दशा को भी अनुभव कर रहे हैं जो लॉकडाउन से बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। कई ने अपनी नौकरी गंवा दी है, कई नौकरियों में हैं लेकिन उन्हें अपनी मजदूरी नहीं मिली, कई ने अपनी रोजी–रोटी गंवा दी है। यह देश में तालाबंदी है लेकिन लाखों कामगारों के लिए आघात है। हमारे समाज के निचले मध्य–वर्ग और अन्य निचले तबके को इस महामारी और लॉकडाउन में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

एआईबीईए के ध्वज तले हमारा श्रम संगठन आंदोलन हमेशा इस देश के कामगार वर्ग और गरीब जनता का एक अविभाज्य हिस्सा रहा है। इसलिए पीड़ित लोगों की दुर्दशा और समस्याओं को देखते हुए, एआईबीईए ने आह्वान किया कि जिस भी तरीके से संभव हो सभी संभव राहत उपाय शुरू किए जायें और निर्धारित परिस्थितियों में सभी सावधानियां बरती जायें।

यह एक रिमझिम बारिश के रूप में शुरू हुआ लेकिन जल्द ही, यह एक लगातार न रूकने वाली बारिश बन गया और हमारी यूनियनें और सदस्य कई स्थानों में कार्यवाही पर थे। हमारी यूनियनों और साथियों द्वारा किए गए राहत उपायों की सूचनायें देते हुए एआईबीईए केन्द्रीय कार्यालय में चित्रों और खबरों की बाढ़ शुरू हो गई। प्रभावित लोगों की परेशानी के बारे में हमारी चिंता इन राहत गतिविधियों में बहुत अधिक प्रकट हुई। हमारा पूरा संगठन एक सिद्धांत के साथ एक एकल सेना के रूप में आगे बढ़ा – मदद की जरूरत में लोगों की सहायता के लिए जायें।

अब तक, **582 कार्यक्रम** और राहत उपाय किए जा चुके हैं तथा हमें और भी सूचनायें प्राप्त हो रही हैं।

इन कार्यक्रमों और गतिविधियों पर खर्च की गई अनुमानित राशि को मानते हुए जैसा कि हमारी यूनियनों द्वारा उनकी रिपोर्टों में सूचित किया गया है, हम यह बताते हुए गर्व है कि इन राहत गतिविधियों की कुल लागत **रू0 2.70 करोड़** को पार कर गई है।

यह सभी स्तरों पर हमारे प्रिय संगठन में हम सभी के लिए बहुत ही संतुष्टि की बात है कि एआईबीईए उन लोगों के साथ ऊंचे स्तर पर खड़ा रहा जो महामारी और लॉकडाउन द्वारा उत्पन्न इस चुनौतीपूर्ण समय में जरूरतमंद हैं।

एआईबीईए का प्लेटिनम जुबली वर्ष इससे बेहतर तरीके से शुरू नहीं हो सकता था।

हमारे पास कहने के लिए सिर्फ एक बात है – आप सभी को सलाम, बढ़े चलो साथियों।

आपका साथी,
ह...
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री

गरीबी ईश्वर द्वारा नहीं बनाई गई है, यह आपके और मेरे द्वारा बनाई गई है जब हम हमारे पास जो भी है उसे आपस में नहीं बांटते ..... मदर टेरेसा